“Indian Rituals and Women”

Department of Sanskrit & Prakrit Language, Deen Dayal Upadhyaya Gorakhpur University, Gorakhpur

Date: 25th November 2024

भारत में संस्कृत और स्त्री का संदर्भ महत्वपूर्ण: प्रोफेसर पूनम टंडन

किसी समाज की समृद्धि का सूचकांक है स्त्री की स्थिति : प्रोफेसर पूनम टंडन

भारत के प्राचीन साहित्य में उपस्थित हैं सशक्त स्त्रियां: प्रोफेसर राजवंत राव

अतीत से आज का समय स्त्रियों के लिए बेहतर: प्रोफेसर राजवंत राव

पुरुष सिर्फ पुरुष है, नारी संपूर्ण प्रकृति: सत्या पांडेय

दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग में 'संस्कृत साहित्य में नारी' विषयक विमर्श को संबोधित करते हुए कुलपति प्रोफेसर पूनम टंडन ने कहा कि भारत के संदर्भ में संस्कृत और संस्कृत साहित्य में उपस्थित स्त्री संदर्भ बेहद महत्वपूर्ण है. प्राचीन समय में हमें कई तेजस्वी स्त्रियां देखने को मिलती हैं. मौजूदा समय में स्त्री केंद्रित चिंतन, अध्ययन बढा है. स्त्री विमर्श जैसा चिंतन हमारे सामने है. ऐसी स्थिति में संस्कृत साहित्य में वर्णित स्त्रियों से स्त्री चिंतन और समृद्ध होगा.

कला संकाय के अधिष्ठाता एवं संस्कृति विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर राजवंत राव ने कहा कि थेरी गाथाओं में मुक्तिकामी स्त्री स्वर देखने को मिलता है. उन्होंने कहा कि प्राचीन साहित्य में सवाल उठाने वाली सशक्त स्त्रियां मिलती हैं. गार्गी, मैट्रेई शकुंतला आदि ऐसी ही स्त्रियां हैं.

उन्होंने कहा कि स्त्रियों की मौजूदा स्थिति को समझने के लिए हमें यह देखना होगा कि निर्णय लेने में भागीदारी, संसाधनों पर नियंत्रण, राजनीति में भागीदारी,

घर और बाहर - अवसर व संसाधनों तक उनकी पहुंच, समाज व घर की उत्पादकता में भागीदारी, स्टेम सब्जेक्ट्स में स्त्रियों की भागीदारी इत्यादि उनके सशक्तिकरण का मापक है. पूर्व मेयर डॉ सत्या पांडे ने कहा कि मौका मिलने पर स्त्रियां हर क्षेत्र में अपनी उपस्थिति दर्ज कराने में सक्षम हैं,पुरुष सिर्फ पुरुष है जबकि नारी संपूर्ण प्रकृति है.

कार्यक्रम के दौरान संस्कृत विभाग के ज्योतिष के विद्यार्थियों के बीच शास्त्रार्थ भी किया गया. इस शास्त्रार्थ का संदर्भ था ज्योतिष का महत्व. इस शास्त्रार्थ में छात्र रत्नबाला एवं छात्र राज ने प्रतिभाग किया.

स्वागत वक्तव्य समन्वयक डॉक्टर लक्ष्मी मिश्रा ने दिया. कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर सूर्यकांत त्रिपाठी ने एवं आभार ज्ञापन डॉक्टर देवेंद्र पाल ने किया. इस अवसर पर मिशन शक्ति की नोडल अधिकारी प्रोफेसर विनीता पाठक, डा आमोद राय, डॉ संजय राम, डॉ रमेश चंद, डॉ संजय तिवारी समेत संस्कृत विभाग के डॉक्टर कुलदीपक शुक्ला, डॉक्टर मृणालिनी, डॉ रंजन लता, डॉक्टर स्मिता द्विवेदी डॉक्टर अर्चना शुक्ला आदि उपस्थित रहीं.

दीन दय
दिनांक 25 नवम्बर

दिनांक

दीन दय
दिनांक 25 नवम्बर

संस्कृत विभाग

मिशन शक्ति
नारी सुरक्षा
नारी सम्मान
नारी स्वावलंबन

संस्कृत एवं प्राकृत भाषा विभाग
दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर
के समारोह

मिशन शक्ति फेज–5

उत्तर प्रदेश सरकार की पहल पर

एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम

संस्कृत साहित्य में नारीविमर्श

दिनांक 25 नवम्बर 2024 ॥ समय एवं स्थान– पूर्वाह्न 11:30 बजे, संस्कृत विभाग

अध्यक्षता
प्रो. पूनम टण्डन
मा० कुलपति
दी.द.उ.गो.वि.वि.गोरखपुर

मुख्य अतिथि
डॉ० सत्या पाण्डेय
पूर्व महापौर
नगर निगम, गोरखपुर

प्रो० विनीता पाठक
नोडल अधिकारी
मिशन शक्ति

प्रो० राजवन्त राव
अधिष्ठाता कलासंकाय
एवं अध्यक्ष संस्कृत विभाग

डॉ० लक्ष्मी मिश्रा
समन्वयक
संस्कृत विभाग

डॉ० सूर्यकान्त त्रिपाठी
संयोजक
मिशन शक्ति

आयोजन समिति : डॉ० देवेन्द्र पाल, डॉ० कुलदीपक शुक्ल, डॉ० धर्मेन्द्र कुमार सिंह, डॉ० रंजन लता, डॉ० स्मिता द्विवेदी, डॉ० मृणालिनी, डॉ० ज्ञानधर भारती, डॉ० अर्चना शुक्ला